कार्यालय प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग,मैनपुरी

पत्रांक 505 /29-5 मैनपुरीः दिनाकः अगस्त 23 ,2017

सेवा में ,

प्रधान मुख्य वन संरक्षक /
प्रभारी अपर प्रधान मुख्य वन सरंक्षक आई0टी0
कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष
उ0प्र0, लखनऊ ।

विषयः— दिनांक 01—08—2017 को मुख्य सचिव महोदय, की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा दिये गये निर्देशों का समयबद्ध रूप से अनुपालन कराये जाने के सम्बन्ध में।

सन्दर्भः— आपका पत्रांक 1371 / 12—2—3 दिनांक 11—08—2017 ।

महोदय,

उपरोक्त संदर्भित पत्र के क्रम में विन्दु सं0 3 से सम्बन्धित इस वन प्रभाग के क्रियाकलापों की विस्तृत राइट अप के साथ Success Story आपकी सेवा में संलग्न कर भेजी जा रही है।

संलग्नकः—उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(सिद्धार्थ कुमार अम्बेडकर)
प्रभागीय निदेशक,
सामाजिक वानिकी प्रभाग मैनपुरी।

पत्रांक 805 / दिनॉकित

प्रतिलिपि वन संरक्षक, आगरा वृत्त, आगरा की सेवा में उनके पत्र सं0 824 / 18—1 (मुख्यालय कार्यवृत्त,) दि0 17—08—2017 के क्रम में उक्त सूचना की एक प्रति संलग्न कर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

संलग्नकः—उपरोक्तानुसार।

(सिद्धार्थ कुमार अम्बेडकर)
प्रभागीय निदेशक,
सामाजिक वानिकी प्रभाग मैनपुरी।

Contact :- Divisional Director Social Forestry Division , Near Police line ,Mainpuri - 205001
Tel. -05672-234503 E-mail - dfomainpuri@rediffmail.com

sukhpal

विभागीय क्रियाकलापों की विस्तृत राइट अप के साथ **Success Story**

जनपद मैनपुरी ऊसर बाहुल्य क्षेत्र है जिसमें वृक्षारोपण की सफलता अच्छी प्राप्त करना एक अत्यन्त कठिन कार्य है। फिर भी कतिपय अभिनव प्रयोग कर ऊसर क्षेत्रों में अच्छी सफलता प्राप्त की गई है।

(1) ऊसर क्षेत्र में सुरक्षा खाई के अन्दर आइपोमिया जीवित बाड़ (Live Fencing) तैयार की गई जो कि भविष्य में 01 वर्ष के अन्दर ही नीलगाय इत्यादि जानवरों को वृक्षारोपण क्षेत्र में अन्दर प्रवेश न करने में सहायक सिद्ध होगी। ऊसर क्षेत्र में पौधों की जड़ पर मिट्टी चढ़ाकर पिण्डी बनाने से क्षारीय तत्वों से पौधों के वनों को गर्डलिंग से बचाया गया तथा बाहर की तरफ से रिंगस्वरूप मेंड बनाई गई ताकि थावले के अन्दर से वर्षात का पानी बाहर न आ सके तथा ऊसर क्षेत्र के बारिश का पानी अन्दर न जा सके।

अधिकतर ऊसर क्षेत्र में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी पायी जाती है उसकी पूर्ति हेतु High Zinc 10 ग्राम प्रति पौध के हिसाब से प्रयोग किया गया जिससे पौधों के रोपण के 01 महीने के अन्दर बहुत सारी शाखाएं प्रस्फुटित हो गई जिससे सफेद दिखने वाला ऊसर क्षेत्र हरियाली से आच्छादित हो गया जो कि एक चमत्कारिक अभिनव प्रयोग है।

(2) इटावा–मैनपुरी–कुरावली राज्यमार्ग का चौड़ीकरण कार्य भारत सरकार की अनुमति से लो0नि0वि0 द्वारा किया गया था जिस पर मार्ग के किनारे तारबाड़ में तथा सेन्ट्रल वर्ज पर वृक्षारोपण किया गया। मार्ग के किनारे 10 से 15 फुट ऊंचे पौधों की वर्षात में तत्काल पिण्डी बनाकर वृक्षारोपण किये जाने के उपरान्त तुरन्त सिंचाई की गई। उसके बाद नियमित सिंचाई करने से 4–5 वर्ष की आयु वाले पौधों के बराबर 01 वर्ष में ही वृक्षारोपण तैयार हो गया। इसके अतिरिक्त मार्ग के सेन्ट्रल वर्ज पर लो0नि0वि0 द्वारा पौधारोपण वाले स्थल पर ऊसर मिट्टी भर दी गई थी उस स्थान पर 60×60×60 सेमी0 का गड्ढ़ा खुदान कर गड्ढ़ों में उपजाऊ मिट्टी भरकर शोभाकार पौधों का रोपण किया गया। पौधों की अच्छी वृद्धि तथा शीघ्र पुष्प लाने हेतु हाईजिंक तथा जलकुम्भी गड्ढ़ों में डाली गई। इस प्रकार जलकुम्भी से Humus बनने एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की पूति होने से आशातीत परिणाम नजर आये।

उक्त के अतिरिक्त अनुभव के आधार पर यह भी सुझाव है कि यदि सेन्ट्रल वर्ज पर अग्रिम मृदा कार्य/पौधारोपण से पूर्व लोक निर्माण विभाग द्वारा नीचे के भाग में स्थित मैटेलिक रोड को तोड़ दिया जाय अथवा सेन्ट्रल वर्ज की ऊंचाई दोगुनी कर दी जाय तो पौधे स्थापित होने के बाद पूरे वर्ष उनके रखरखाव में सहायक होगी।

Contact :- Divisional Director, Social Forestry Division , Near Police line ,Mainpuri – 205001 E:\Yogesh\Saankhikiya 1\Letter Comp i Word.doc
Tel. -05672-234503 E-mail - dfomainpuri@rediffmail.com

(3) <u>प्रवर्तन कार्य में आशातीत सफलता</u>:– मैनपुरी वन प्रभाग में अवैध वन उपज जैसे रेता, बजरी एवं स्टोनडस्ट से लदे ट्रक डम्पर इत्यादि को पकड़ने में कई किस्म के बाधायें सामने आई इस सम्बन्ध में विवेकपूर्ण निर्णय लेने से आशातीत सफलता मिली। शुरूआत में पकड़ने पर असामाजिक तत्वों द्वारा एकत्रित हुई भीड़ को उकसाने/भड़काने लग गये तथा वाहनों को आड़ा–तिरछा लगाकर रास्ता जाम करने की कोशिश की। यहां तक कि उच्चाधिकारियों के साथ अभद्रता करने की कोशिश की, लेकिन उचित समय पर पुलिस को तत्काल बुलाकर उकसाने/भड़काने वाले असामाजिक तत्वों के दोनों नेताओं को पकड़कर पुलिस हवालात में भेजने से एकत्रित भीड़ तितर–बितर हो गई तथा पकड़े गये वाहन आसानी से कोतवाली में चालान हेतु ले जाये गये। इसके अलावा एक वाहन चालक गिट्टी लेकर भागकर स्टाकिस्ट के गोदाम में चला गया वहां से पकड़े वाहन को न ले जाने पर उसे पकड़कर तुरन्त कोतवाली पुलिस को सौंप दिया गया। उपरोक्त सभी तत्कालिक उपायों से प्रवर्तन कार्य में काफी मदद मिली। इसके बाद प्रतिदिन 8 से 10 वाहन पकड़े गये तथा कई गुना राजस्व वन विभाग को मिला तथा अवैध वन उपज पकड़ने पर किसी किस्म के प्रतिरोध या राजनैतिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। जनपद में वन विभाग की छवि एक सशक्त प्रवर्तक विभाग के रूप में सामने आई। यह तथ्य प्रवर्तन कार्य की सफलता की कहानी को बयां करते हैं।

प्रभागीय निदेशक,
सामाजिक वानिकी प्रभाग, मैनपुरी

Contact :- Divisional Director, Social Forestry Division , Near Police line ,Mainpuri – 205001 E:\Yogesh\Saankhikiya 1\Letter Comp i Word.doc
Tel. -05672-234503 E-mail - dfomainpuri@rediffmail.com